मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

24 जुलाई, 2022

मुविवि ने गांव में लगाया स्वास्थ्य शिक्षा एवं टीकाकरण जागरूकता शिविर

बरसाती मौसम में रखें स्वच्छता एवं संतुलित पोषण का ध्यान

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महिला अध्ययन केंद्र के तत्वावधान में बुधवार दिनांक 27 जुलाई, 2022 को विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत मातादीन का पूरा गांव में स्वास्थ्य शिक्षा एवं टीकाकरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रोफेसर रुचि बाजपेई, डॉ0 मीरा पाल, डॉ0 साधना श्रीवास्तव, डॉ0 अतुल कुमार मिश्रा, डॉ0 शिवेंद्र प्रताप सिंह, श्री राजेश गौतम, डॉ0 दीप्ति श्रीवास्तव, मीरा, राजकुमारी, सुनीता, पूजा, रेनू ,छाया, स्नेह लता, प्रीति, यासमीन, मनीषा, रागिनी, अनीता आदि ने प्रतिभाग किया। संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 साधना श्रीवास्तव ने किया।

महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रो0 रुचि बाजपेई ने शिविर में कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य एवं शिक्षा की उत्तमता से ही परिवार और समाज का विकास जुड़ा है। अतः सबसे पहले उनका ध्यान रखा जाना चाहिए तभी अन्य सभी का कल्याण संभव है। उन्होंने विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के संदेश का प्रसार करते हुए कहा कि महिलाएं स्वस्थ तथा मजबूत रहेंगी तो राष्ट्र का विकास तेजी से होगा।

प्रो0 रुचि बाजपेई

मुख्य वक्ता विश्वविद्यालय की गृह विज्ञान की शिक्षिका डॉ0 दीप्ति श्रीवास्तव ने इस अवसर पर ग्रामीण महिलाओं को सामान्य बीमारियों और कुपोषण संबंधी व्याधियों के उपचार तथा रोकथाम के विषय में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि खासतौर पर जुलाई –अगस्त के महीने में जलभराव, मच्छर,मक्खी आदि के भिनभिनाने के कारण होने वाली स्वास्थ्य संबंधी सामान्य समस्याओं, त्वचा एवं पेट संबंधी संक्रमण, टाइफाइड, जुखाम, सरदर्द, अतिसार, पेचिश आदि की रोकथाम उपचार व सावधानियों के साथ किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस मौसम में व्यक्तिगत स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं संतुलित पोषण आदि का ध्यान रखा जाना अति आवश्यक है।

डॉ0 दीप्ति श्रीवास्तव

जैसा की विदित है विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल विश्वविद्यालयों को गांव में जाकर कार्य करने के लिए प्रेरित करती रही हैं। इसी कड़ी में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देश पर महिला अध्ययन केंद्र ग्रामीण महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा एवं रोजगार के लिए निरंतर शिविर लगाकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रहा है।

आज मातादीन का पूरा गांव में आयोजित इस शिविर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती शकुंतला देवी, एएनएम श्रीमती शशि मिश्रा और आशा वर्कर श्रीमती राजपति ने ग्रामीण महिलाओं को स्वास्थ्य विभाग की तरफ से संचालित योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

अध्ययन केंद्र की सह समन्वयक डॉ0 मीरा पाल तथा सहायक समन्वयक डॉ0 साधना श्रीवास्तव ने ग्रामीण महिलाओं को मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न रोजगार परक कार्यक्रमों के बारे में बताया। उन्होंने स्वरोजगार की दिशा में महिलाओं की प्रगति के लिए सरकार द्वारा संचालित कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की भी जानकारी दी।